जनजाति विकास विभाग की शुरुआत : अनुसूचित जनजाति वर्ग की बालक-बालिकाओं के लिए सुनहरा अवसर

एफटीआईआई तलाशेगा जनजाति क्षेत्र से फिल्मी प्रतिभा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उदयपुर. अब एफटीआईआई यानी भारतीय फि ल्म और टेलीविजन संस्थान, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, (भारत सरकार के अधीन एक स्वायत संस्थान) जनजाति क्षेत्र की फिल्म क्षेत्र में रुचि रखने वाली व कला प्रतिभाओं को तलाशेगा।

जानकारी के अनुसार इसके लिए जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राजस्थान राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के बालक, बालिकाओं के लिए फिल्म से सम्बन्धित 4 विषयों (फिल्म एप्रिशिएशन, स्क्रीन एक्टिंग, स्मार्टफोन फिल्म मेकिंग एण्ड स्क्रीन प्ले राइटिंग) पर नि:शुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण देंगे।

आवेदक की शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण (विशेष परिस्थिति में 10वीं उत्तीर्ण) एवं कम्प्यूटर/ मोबाईल के उपयोग में सक्षम होना चाहिए।

विभाग ने ये शुरुआत की है। इसका लाभ बच्चों को भविष्य में मिलेगा। फिल्म निर्माण के क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों के लिए यह शुरुआत की गई है।

प्रज्ञा केवलरमानी, आयुक्त, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग उदयपुर

यहां हो सकेंगे आवेदन

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर द्वारा इच्छुक एवं पात्र जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र विभाग की वेबसाइट टीएडी.राजस्थान.जीओवी.इन पर दिनांक 11 अक्टूबर से भरे जा सकेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को 5 व 10 दिवसीय (2 घण्टे लंच से पहले एवं 2 घण्टे लंच के बाद) नि:शुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण के बाद इ- सर्टिफिकेट दिया जाएगा। आवेदन की अंति तिथि 25 अक्टूबर है। विभाग द्वारा आवश्यक इंटरनेट सुविधा, आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में विस्तृत विवरण विभाग की टीएडी.राजस्थान.जीओवी.इ पर उपलब्ध है।